

| Reihe | g. 10 | | j. 35 | | x. 36 | | a. 37 | | g. 29 | | g. 11 | | g. 13 | | q. 30 | | p. 9 | | p. 7 | | | |
|-------|-------|------|-------|------|-------|------|--------|------|-------|------|--------|------|-------|------|--------|--------|------|--------|------|------|-----|--|
| | Hft. | Wdf. | Hft. | Wdf. | Hft. | Wdf. | Bornw. | Grt. | Hft. | Wdf. | Bornw. | Grt. | Hft. | Wdf. | Bornw. | Hft. | Wdf. | Bornw. | Wge | | | |
| 7. | 6,1 | 2,2 | 22,1 | - I | - I | | 4,1 | 1,3 | 11,3 | 2,1 | - 2 | | 1,3 | 5,3 | | | | | | 14,3 | | |
| | 18,1 | | 4,2 | 20,1 | 22,1 | | 1,2 | 6,3 | | | - 3 | | 3,3 | | | | | | | | | |
| | 20,1 | | | 2,3 | 25- | | | 4,3 | | | | | | | | | | | | | | |
| | 23,1 | | | | 18- | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | 3,3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| S. | 71,3 | 2,2 | 26,3 | 23,1 | 65,2 | | 5,3 | 13,1 | 11,3 | 2,1 | 1,1 | | 5,2 | 5,3 | | | | | | 14,3 | | |
| 8. | 17,3 | | 15,2 | 9,2 | 5- | | 9,2 | 7,1 | 4,1 | 1, | 27 | | 0,28 | | g. 12 | | | | | | | |
| | - I | | | 15,3 | 13,1 | | | 24,3 | 24,3 | 25- | | | | | Wdf. | Bornw. | Wdf. | B. | Wdf. | 3,3 | | |
| | | | | | 9,2 | | | | | 3- | | 1,3 | | | | 7,2 | - 3 | | | - 2 | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | 20- | | | | - I | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | 11,3 | | | | | | |
| S. | 18- | | 15,2 | 25,1 | 27,3 | 9,2 | 60- | 29- | 1,3 | | | 40,3 | - 3 | | | | - 3 | | | - 3 | 21- | |
| 9. | 8,2 | | 2,1 | 21,3 | | | | 20- | 13,2 | 1- | - 1 | 3,1 | 4,1 | | | 13- | 17- | | | | | |
| | 11,2 | | | 2,2 | | | | 16,2 | 25- | 22,2 | 1,3 | 11- | | | | | | | | 5- | 12- | |
| | | | | | | | | | | 21,3 | | 2- | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | 13,3 | | | | | | | | | | | | |
| S. | 20- | | 2,1 | 24,1 | | | | 36,2 | 38,2 | 59- | 2- | 16,1 | 4,1 | | | | | | | 18- | 29- | |

Da ich den untern Raum der 2ten Figur, in der Folge meines Vortrages benötiget bin, so muß ich hier diese Berechnung, die sonst so weit das Rechenneß reicht, fortgesetzt wird, abbrechen. Unterdessen wird man schon aus dem hier befindlichen abnehmen, daß bey den Einschreiben, eine Reihe nach der andern vorgenommen, und durchgeführt wird. Auch sind alle Theile addiret; weil wenn man diese Summen, so wie sie da stehen zusammen zählt, man gleich sehen kann, ob solche $10 \cdot 25 = 250^\circ$, betragen. Sollte sich das Gegentheil finden, so muß der Fehler sogleich aufgesucht werden. Von dieser Seite ist man also von jeder Reihe sicher, und kann mit Beruhigung fortrechnen. Vor allen Dingen, muß man sich aber sorgfältig hüten, daß nichts in die unrechte Rubrike eingesezt wird. Das durch würde entstehen, daß der eine Theil um eben so viel vergrößert, als der andere

Der